[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

F

Sr. No. of Question Paper : 2065

Unique Paper Code : 2055091002

Name of the Paper : Hindi Bhasha aur Sahitya Ka Udbhav aur Vikas (B)

Name of the Course : GE : Hindi B

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. (क) हिन्दी के उद्भव और विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (12)

अथवा

बिहारी हिन्दी की बोलियों का परिचय दीजिए।

(ख) रामकाव्य धारा की विशेषताएं बताइए।

अथवा

प्रगतिवाद की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

2. कबीरदास की भक्ति भावना की विवेचना कीजिए। (12)

अथवा

रामचरितमानस के आधार पर राम के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

3. बिहारी की काव्य–विशेषताएँ बताइए। (12)

अथवा

भूषण के काव्य वैशिष्ठ्य पर प्रकाश डालिए।

4. 'अरुण यह मधुमय देश हमारा' कविता के आधार पर प्रसाद की प्रकृति और देश–प्रेम की विवेचना कीजिए। (12)

अथवा

'अग्निपथ' कविता का भाव–सौंदर्य का स्पष्ट कीजिए।

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) साधु ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय। (10)

सार-सार को गहि रहे, थोथा देइ उड़ाय ।।

अथवा

नाथ आजु मैं काह न पावा। मिटे दोष दुख दारिद दावा ।।

बहुत काल मैं कीहि मजूरी। आजु दीन्ह बिधि बनि भलि भूरी ।।

अब कछु नाथ न चाहिअ मोरें। दीनदयाल अनुग्रह तोरें ।।

फिरती बार मोहि जो देबा। सो प्रसादु मैं सिर धरि लेबा ।।

(ख) सटपटाति-सी ससिमुखी मुख घुंघ-पटु ढांकि। (10)

पावक-झर सी झमकि कै गई झरोखा झांकि ।।

अथवा

इन्द्र जिमि जंभ पर, बाडव ज्यौं अंभ पर।

रावन सदम्भ पर रघुकुल राज है।

पौन बारिवाह पर, संभु रतिनाह पर,

ज्यौं सहस्त्रबाहु पर राम द्विजराज है ।।

(ग) बरसाती आँखों के बादल, बनते जहाँ भरे करुणा जल। (10)

लहरें टकरातीं अनंत की, पाकर जहाँ किनारा ।।

हेम कुम्भ ले उषा सवेरे, भरती ढुलकाती सुख मेरे।

मंदिर ऊँघते रहते जब, जगकर रजनी भर तारा ।।

अथवा

यह महान दृश्य है,

चल रहा मनुष्य है,

अश्रु श्वेत रक्त से,

लथपथ लथपथ लथपथ,

अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।